

ॐ नमः सर्वं अथ ला किर्यं श्व जायः मरु श्व जायः यद्म पियाय यल दा यद संप्रु जाय पियि विव
लाच न क लाय आ स्म सन क जाय गन मरु सरु काय का ठि सय सेह स न गाय उ का द स जि र्वा य वेद
वा मुख यय जाय धर्म पियाय सर्व सत्व यलि मा कून क जाय कु म न ध के म म आ स्म सन क लाय स्नान
ना सि मूल म क लाय पियं ड दा य उल माय अ विचि सं ग्रा ध न क जाय स्नाने जी ज लं कृ गाय स्नानः
पियाय सर्व द व य जि न न म म्भु गाय अरु यं ड दा य व न या न मि ना य जि न न म म्भु गाय सूर्य व
ल जाच न क जाय धर्म दि यं क जाय काम नू या य सूरू या य ग्रा ध ध नू या य का य न य ध न स मा

धर्मरत्न बज्राचार्य सुरत श्री महाविहार

DH 50

450/a

नृधाय सागल कृत्रि गं रिल धि जाय यन मार्य था गम नृवा काय खद्व व संड सन क जाय अन
 गस मा धि शत सह साव कि क्षय अरि न तिक जाय विरु चित गग गाय श विरु गव जाय ह तिनि
 ला उर य सूर योय मा यो य मा कृ न क जाय स द्वा रा वै सं ई का य व ह व वै लि वाल स व र नि या य उ
 य विरु क लाय चिन्ता मै नि न ला य नि द्वा न मा लो य द श न क य य न न ग न स म द्वा य न क जाय द्वा उ रे
 ना उ ग स न जाय या ध य लि मा च न के जाय न डो य न डो ना ग जा जा कृ न उ लो य वि गाय अ मा घ यो श स
 उ श न क जा जाय अन क म नु स ता व कि क्षय व ड या नि वि दा य न क जाय गिला कृ र यं क जाय य कृ

१

कृ
 ज्ञा
 न
 व
 म
 न

ना कृ स र न थ न व ला उ ता कि नि कृ म्हा अ य मा न मं ग्रा स म क जाय नि ला ल्य न न गाय त्री सि न धि ना
 य वि द्यो धि य ग य स र्व कृ श वि भा क्रे न क जाय वि वि ध मी लो य नि ता य स मा नृ धा मा क्रे मा र्ग य व ना
 य आ श्र य वि ल वा धि मा लो य वि ला य य न य लि मा कृ न क जाय य न मा ने न जा य स स मा धि शत सह
 सा व कि क्षयः ॐ ति ज मा न जा जा मा उ स मा य ॥ ॐ ॥ ॐ न मा से वै द ता स नि न उ ना जा य
 ॐ न मा शी श कृ मू न य न था ग गा यो ह न स म्मा कृ व यो यः न शी थः ॐ र ग व लि मू द सि द्ध श क
 दा कृ मा कृ नि मू कृ वि मू क्रे मा कृ नि अ म ल म ल नि म ल दू व कृ न नि च गु ष वि वृ द्ध का टि रि ता वि

गा. हिल न्य ग रे म वा थ सा ध नि स र्व ता य ती द य स्वा दा ॥ य ०० मा धा न नि लि षा नि लि षा य यि षा नि
 धा न यि षा नि य ०० षि क ल्य का टि म ह मा नि जा ति स त्रा रु वि षा नि दू र्ग ति ना म ग दू ति १ नाः
 जा य क व लि रु वि षा नि दि न १ जा य ना ७ न म र्व या य य नि कू यं ग दू की ॥ अ सा धा न न्य य ल
 वे न ०० ति जा ति स ला ना मे धा न नि स मा य ॥ ३३ ॥

२

धर्मरत्न बज्राचार्य सुरत श्री महाबिहार

DH50